same satellite was observed at Nainital again on 10th June at 8·44 p.m.

Agricultural Development in Andamans

*459. **Shri A. K. Gopalan:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the amount allotted for agricultural development in Andamans for 1962-63 was not fully spent;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to ensure full utilisation of the allotted amounts in future?

The Miniser of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) Yes, Sir.

(b) The amount could not be utilised fully for the following reasons:

1. Slow progress by contractors in the clearance of jungle land selected in Andamans for coconut plantations. In Nicobars no contractor has come forward to take up the clearance work in the Katchal Island due to lack of means of communications.

2. Non-availability of full complement of the technical staff provided for under various agricultural schemes.

3. Non-execution of pilot project scheme relating to rubber cultivation by the Rubber Board.

(c) 1. In Andamanas the Forest Department has been asked to take up the work departmentally in case they to complete the work in time. In Inter-Island vessel under construction Nicobar it is not possible to take up any departmental operation until the Inter-Island vessel under construction at present becomes available.

2. Vacant posts have been advertised in mainland papers and efforts are being made to select suitable candidates from the mainland.

3. Pilot project scheme of Rubber Plantation is at present under consideration of the Government of India as the Rubber Board are not inclined to take it up as a result of a report given to them by their experts.

चीनी मिलें

*४६०. **श्री विभूति मिश्र** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब की चीनी मिलों में चीनी की रिकवरी दक्षिण की चीनी मिलों की अपेक्षा कम होती है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि वहां चीनी की कम रिकवरी का यह कारण है कि ये मिलें बहुत पुरानी हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि सरकार उपरोक्त राज्यों में स्थित मिलों को आधुनिकतम बनाने के बारे में एक योजना बनाने का विचार कर रही है ; और

(घ) यदि हां, तो योजना का स्वरूप क्या है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब के शर्करा कारखानों की शर्करा की उपलब्धि दक्षिण के कुछ राज्यों के शर्करा कारखानों की तुलना में कम है ।

(ख) इस कम उपलब्धि का मुख्य कारण यह है कि बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब के गन्ने में शर्करा (सुक्रोज़) तत्व अपेक्षाकृत कम होता है और कारखाने भी पुराने हैं ।

(ग) और (घ). भारत में शर्करा उद्योग के अलाभकर एककों की समस्या की छानबीन करने के लिए हाल ही में, एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की गयी है । इस समिति ने पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी बिहार के शर्करा कारखानों की जांच पड़ताल प्रारम्भ

कर दी है । समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर शर्करा कारखानों के आधुनिकीकरण की एक योजना बनाने का सरकार का विचार है ।

उत्तर प्रदेश में सहकारी चीनी मिलें

*४६१. **श्री सरजू पाण्डेय :**
श्री द्वारका दास मंत्री :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वी उत्तर प्रदेश में तीसरी योजना के अन्तर्गत सहकारी आधार पर कुछ चीनी मिलें स्थापित करने का विचार है ; और

(ख) यदि हां, तो ये मिल कहां कहां स्थापित की जायेंगी तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा उन्हें कितनी धनराशि दी जायेगी ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) और (ख). पूर्व उत्तर प्रदेश में रसरा जिला बलिया, औराई जिला वारानसी और इन्दरा जिला आजमगढ़ में सहकारी चीनी कारखाने स्थापित करने के लिये लाइसेंस देने के लिये आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं । यह सरकार के विचाराधीन हैं ।

Seed Corporation

*462. **Shri P. Venkatasubbaiah:**
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Himatsingka:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 560 on the 24th August, 1962 and state:

(a) the present position in regard to establishment of Seed Corporation of India; and

(b) what are the plans for its operation during 1963-64?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) The National Seeds Corporation has been formed as a private limited company. It is fully financed by the Government of India.

(b) The Corporation proposes to produce during 1963-64, about 25,600 mds. of double cross seed of Hybrid Maize from 1,600 acres. The target for 1964-65 is 72,000 mds. from 4,500 acres.

Proposals for production of sarghum, vegetable and jute seeds are also under consideration.

सीकर, राजस्थान में गोदाम

*४६३. **श्री ओंकारलाल बेरवा :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में सीकर के अनाज के गोदामों में जो पाउडर छिड़का गया था उसमें कुछ विषैले तत्व पाये गये ;

(ख) यदि हां, तो यह पाउडर कहां से मंगाया गया था ;

(ग) इसमें विषैले तत्व होने के क्या कारण थे; और

(घ) इस मामले की जांच के लिये क्या क्या कार्यवाही की जा रही है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) से (घ). यह बताया गया है कि राजस्थान में सीकर में कुछ व्यापारियों ने खाद्यान्नों में बी० एच० सी० (बेंजीन हेक्साक्लोराइड) की थोड़ी सी मात्रा खाद्यान्नों का परिक्षण करने के उद्देश्य से मिला दी थी । बी० एच० सी० कीटनाशक है जो कि बाजार में सुगमता से मिल जाती है और अनाज की बोरियों के ऊपर छिड़कने के लिए इसका आम प्रयोग किया जाता है । यह कीड़ों के लिए विषैली है और इससे कीड़े मर जाते हैं । किन्तु थोड़ी मात्रा में इसका प्रयोग मनुष्य के लिए विषैला नहीं होता है । तथापि, काफी बड़ी मात्रा में प्रयोग करने से इससे मनुष्य